तापमान

अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 25 .3 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

10 नागरिक अस्पताल में नहीं मिलेगी अब चर्म रोग विशेषज्ञ की सुविधा

10 बदमाशों ने गोहाना में करनी थी हत्या....

BABA MASTNATH UNIVERSITY
Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)
(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With India's Best Quality Award

New Normal 2023 Education Leadership Summit & Awards, New Delhi, 21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

150+ Acres Land · 80+ Programmes · 15000+ Students · 5200+ Placed Student · 65+ Yrs. in Education · 25000+ Regi. Alumni · 500+ Faculty · 50+ Departments · 1800+ Res. Paper Published

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING
B.Tech.-Computer Science and Engg.
- -AIML
- -Data Science
- -Cyber Security
- -IOT & Blockchain
- -Comp. Animation & Gaming

B.Tech.-Civil Engg.
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES
B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
- -Leadership & Management
- -Guidance & Counselling
- -Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY
D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA
BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY
BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES
B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.
BBA
- -Digital Marketing & Sales
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship
- -Hons. With Research

MBA
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship

B.Com
- -General
- -Professional-CA Stream
- -Professional-CS Stream
- -Hons. With Research

M.Com.

BCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

MCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-
- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW
B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING
***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU
- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES
- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS · sona · CAPARO FASTENERS · HNG · TATA CONSULTANCY SERVICES · SURYA · भारतीय सेना · Infosys · HCL · MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

जारी रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल

सोनीपत। सीटू से संबंधित शहरी ठेका सफाई कर्मचारियों की भूख हड़ताल 12 वें दिन भी जारी रही। धरनास्थल की अध्यक्षता प्रधान अजय कुमार टॉक ने की, संचालन सचिव नवीन कुमार ने किया। शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल के कार्यालय पर बातचीत के लिए गए। उनके गैर मौजूदगी में उनके भाई माईराम से बातचीत हुई लेकिन उन्होंने गैर जम्मिदाराना बयान दिया। उसके बाद धरने पर उपस्थित कुछ साथी सेक्टर 27 थाने में गए।

भाजपा जिला प्रवक्ता तरुण को मातृशोक

सोनीपत। भाजपा जिला प्रवक्ता तरुण देवीदास की माताजी सुदेश गंगवानी का 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले 1.5 वर्ष से बीमार चल रही थी। 13 जुलाई शनिवार को सुबह लगभग 11 बजे उन्होने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गयी है। जिसमें उनका एक पुत्र तरूण एक पुत्री मीनाक्षी, पति श्याम सुंदर एवं पौत्र पौत्री है। उनके निधन का समाचार सुनते ही शहर के गणमान्य व्यक्ति उनके घर शोक संवेदना जताने उनके घर पहुंचे और घटना पर दुःख जताया।

महापुरुषों के चौक को साफ रखने की मांग

सोनीपत। सोनीपत नगर सुधार मंच के चेयरमैन संजय सिंगला, प्रधान सरदार मोहन सिंह मनोचा व महासचिव रवद्रिं सरोहा ने आयुक्त नगर निगम व मेयर नगर निगम सोनीपत से महापुरुषों के चौक चौराहों को साफ करने की अपील की है। उन्होंने कुछ असामाजिक तत्वों व कुछ नेताओं द्वारा सोनीपत के चौराहों व महापुरुषों के चौक पर पोस्टर और बैनर लगाने पर उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। नगर सुधार मंच ने मांग कि है सोनीपत को सफाई रैंकिंग में सुधार दिलाने के लिए इसे सुन्दर व स्वच्छ बनाना होगा, जिसके लिए गंदगी फैलाने वालो के खिलाफ कानूनी कार्यवाही भी करनी होगी।

वनरक्षक के पदों पर तुरंत भर्ती करें सरकार

सोनीपत। वन कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रेस प्रवक्ता आनंद शर्मा ने हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि वन विभाग में वनरक्षक के पदों पर तुरंत भर्ती की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के वन क्षेत्र को बढ़ाने में वनरक्षक की हम भूमिका होती है। जमीन स्तर के सभी कार्य जैसे पौधारोपण के लिए भूमि चन्हिति करने, बिज इकट्ठा करवाने, नर्सरी तैयार करने, पौधारोपण करवाना एवं उनकी देखभाल के कार्य, जंगली पशुओं, पालतू पशुओं, भेड़, बकरी, ऊंट द्वारा की जाने वाली चिराई रोकने, आगजनी रोकने, दीमक वी शत्रु कीटों से बचाने, अतक्रिमण रोकने, शोध कार्य, अवैध कटाई रोकने आदि वनरक्षक के मुख्य कर्तव्य हैं।

उन्होंने बताया कि भी विभाग द्वारा वंरक्षकों के खाली पदों को भरने के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को मांग पत्र भेजा हुआ है। इसके अतिरिक्त लगभग 100 पदों पर वनरक्षक से, वन दारोगा पद पर पदोन्नति उपरांत यह संख्या और बढ़ जाएगी।

शिक्षकों की कमी दूर करने की विभाग ने शुरू की कवायद

5 स्कूलों में शिक्षकों की कमी सरप्लस का होगा समायोजन

- सरप्लस शक्षिकों को दूसरे स्कूलों में समायोजित करने के दिए गए हैं आदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों के विद्यार्थियों को अब राहत मिलने वाली है। सरप्लस शक्षिकों को ऐसे स्कूलों में समायोजित करने पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके तहत जिले के स्कूलों में रक्ति पड़े पदों को भरा जा रहा है। जिन स्कूलों में शिक्षक सरप्लस हैं, उन्हें अब दूसरे स्कूलों में समायोजित किया जा रहा है। जिले में पांच स्कूल ऐसे चन्हिति किए गए थे, जिनमें बच्चे एक शिक्षक के भरोसे थे। अब इन स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

बता दें कि स्कूलों में बनी शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए विभाग की तरफ से सभी स्कूलों से शिक्षकों की संख्या व स्थिति का ब्योरा मांगा गया था, ताकि जिन स्कूलों में शिक्षकों के पद रक्ति हैं, उनमें सरप्लस शिक्षकों को भेजा जा सके। जिले में 138 शक्षिक सरप्लस मिले थे, जन्हिें दूसरे स्कूलों में समायोजित किया जाना है। मुख्यालय के आदेशों पर जिला स्तर पर अधिकारियों ने सरप्लस शिक्षकों को भेजना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने चार शक्षिकों को भेजा है।

अनुपात के आधार पर भेजेंगे शक्षिकों को

विभाग ने राजकीय स्कूलों में छात्र-शिक्षकों अनुपात नर्धिारित किया हुआ है। जिसके अनुसार ही स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। कुछ स्कूलों में नियम के अनुसार शक्षिकों की नियुक्ति नहीं की गई है। ऐसे में जिन स्कूलों में शक्षिकों के पद खाली हैं, उन्हें भरा जा रहा है। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी थी, उनमें शिक्षकों को भेजना शुरू कर दिया है।

यहां भेजे गए हैं शिक्षक

गांव अटेरना स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में 155 विद्यार्गी हैं। यहां शिक्षकों के दो पद खाली पड़े थे। यहां राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल राई से सरप्लस गेस्ट शिक्षिका व राजकीय प्राथमिक स्कूल जाजल टोंकी से सरप्लस जेबीटी को भेजा है। राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला नाहरी में 130 शक्षिक हैं। यहां शक्षिकों के दो पद खाली पड़े हुए थे। विभाग ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला बिंधरौली से सरप्लस गेस्ट शिद्वाक व राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय, राई से गेस्ट शिक्षिका को भेजा है। इन स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर होने के साथ ही बेहतर तरीके से पढ़ाई हो सकेगी।

दूसरे स्कूलों में भेजा

स्कूलों में विद्यार्थियों की पढ़ाई बेहतर तरीके से हो सके, इसके लिए विभाग प्रयासरत है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जा रहा है। जिन स्कूलों में शक्षिक सरप्लस थे, उन्हें दूसरे स्कूलों में समायोजित किया जा रहा है। जिले में मांग के अनुसार चार शिक्षकों में दूसरे स्कूलों में भेजा गया है। **जितेंद्र छिक्कारा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत**

कांग्रेस के सुशासन का बेसब्री से इंतजार कर रही जनता : सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

सुभाष चौक स्थित कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के एससी सैल की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सोनीपत से विधायक सुरेंद्र पंवार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विधायक सुरेंद्र पंवार ने बैठक में पहुंचकर नवनियुक्त पदाधिकरियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर शुभकामनाएं दी।

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए।

विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता बहुत ही मेहनती कार्यकर्ता है। पार्टी का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली पहचान होता है। कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को मेहनत व ईमानदारी के साथ पार्टी में समर्पण भाव से कार्य करना चाहिए। विधायक सुरेंद्र पंवार ने कहा कि आज प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा में कांग्रेस पार्टी लोगों की पहली पसंद है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ही सभी वर्गों का भला किया है। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ देवतुल्य जनता के आशीर्वाद से सरकार बनाएगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मेहनत व ईमानदारी के साथ पार्टी का कार्य करने का आग्रह किया। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की अध्यक्षता एससी विभाग के नवनियुक्त शहरी जिलाध्यक्ष दयानंद बाल्मीकि ने की। इस दौरान डॉ राकेश नरवाल को ब्लॉक चेयरमैन, सुभाष चंद्र को हल्का अध्यक्ष, कुलदीप खासा, होशियार सिंह, महेश, रामेश्वर राणा को वाइस चेयरमैन, प्रवीन, सुरेश, अजय सारसर को महासचिव, राकेश चौधरी, नरेश आदि मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत किया पौधारोपण

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कालेज में शनिवार को एनएसएस इकाई के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम मुहिम में आहुति डालते हुए पोधारोपण किया गया। साथ ही एनएसएस मैरिट सर्टिफिकेट वितरण समारोह में वष्विवद्यिालय की ओर से 31 स्वयंसेविकाओं को प्रमाण पत्र वितरीत किए गए। संस्था के प्रधान डाण ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने सफल आयोजन के साथ स्वयं सेविकाओं को बधाई दी। जीवीएम वन विभाग के सहयोग से एन्वायरनमेंटल कंजर्वेषन एंड मदरहुड कैम्पेन के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम की संयोजक प्राध्यापिका एवं एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी ने बताया कि पौधारोपण के साथ छात्रायों तथा स्टाफ सदस्यों को पौधों का वितरण भी किया गया। विशेष रूप से नीम, बड, पीपल तथा अमरूद के पौधों का वितरण किया गया।

केंद्र के अग्निवीर को लेकर फैसले का स्वागत

राई। कर्नल अशोक मोर ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा उनके सुझावों का केंद्र सरकार ने अमल में लाकर बड़ा फैसला किया है। अग्निवीर योजना को लेकर पूर्व अग्निवीरों को सीआईएसएफ और बीएसएफ में 10 प्रतिशत आरक्षण का फैसला लिया गया। मोर ने कहा कि केंद्र सरकार ने यह भी कहा कि अग्निवीरों को फिजिकल टेस्ट की प्रक्रिया से भी नहीं गुजरना होगा। इस सुझाव से लगभग 6000 अग्निवीरों को लाभ मिलेगा। सरकार के फैसलरें को सही बताया।

कर्नल अशोक मोर।

अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के छात्र पौधारोपण करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में छात्रा सवी रही प्रथम

गन्नौर। बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल गन्नौर में वद्यिार्थियों के लिए कक्षा सातवीं और आठवीं के बच्चों के लिए वशिव जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वद्यिालय के वरष्ठि अध्यापक प्रदीप वशष्ठि ने प्रतियोगिता का आरंभ कराते हुए मंच संचालन किया। उन्होंने बच्चों को जनसंख्या वृद्धि से होने वाले पर अनेक समस्याओं से संबंधित जानकारी दी, जिससे प्रेरित होकर वद्यिार्थियों ने अपनी भावनाओं को पोस्ट में बिखेरते हुए उसकी सुंदरता में चार-चार लगा दिए। घोषित किए गए परिणामों में सातवीं कक्षा की सवी प्रथम, सव्या द्वितीय, दिवंशा तृतीय स्थान पर रहीं। वही आठवीं कक्षा के वद्यिार्थियों में भवति दुआ ने पहला, स्वर्णिम ने दूसरा और अंशिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आरपीएस स्कूल के अंशुल ने सीए फाइनल पास किया, छात्रों ने कॉमर्स क्षेत्र में भी रचे कीर्तिमान

- देश की उन्नति में सीए विद्यार्थियों का महत्त्वपूर्ण योगदान : चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा सीए की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें आरपीएस विद्यालय महेन्द्रगढ़ के अंशुल ने सीए फाईनल कोर्स कम्पलिट किया एवं इसके साथ-साथ आरपीएस स्कूल के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अपार खुशी में आरपीएस विद्यालय में अभिभावक, शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी का इजहार करते नजर आए।

महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

इस खुशी के मौके पर आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व संस्था के सीईओ मनीष राव, विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी एवं पीजीटी विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास रचने के साथ-साथ आज विद्यार्थी संस्था में वाणिज्य में भी विभिन्न परीक्षाओं में इतिहास रच रहे हैं। वाणिज्य के क्षेत्र में सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार है। छात्रा सुरभी, प्रिया, दिपांशु, उदय प्रताप सिंह, अंजली, मोहित अग्रवाल, भविष्य, तरूण कुमार एवं कृष गोयल ने सफलता अर्जित कर अभिभावकों, शिक्षकों का नाम रोशन किया। आरपीएस विद्यालय आज अभिभावकों के सपनों को साकार करने के लिए दृढ संकल्पित है। देश की सबसे बड़ी परीक्षा सीए के परीक्षा परिणाम में 9 विद्यार्थियों का एक ही संस्था से चयन होना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, कॉमर्स विभागाध्यक्ष शिव कौशिक, विंग हैड अमित कुमार, जिले सिंह, प्रितिका, अनिता अहलावत, विजेता कौशिक, मुकेश यादव, नीरज भारद्वाज एवं शमशेर सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आरोप : गैर-कानूनी तौर पर नियुक्त किए गए अधिकारीयों की बनाई कमेटी

- जिस चीफ वार्डन को बर्खास्त करने की मांग उसी को बनाया कमेटी सदस्य
- कमेटी के साथ मीटिंग में नहीं निकला कोई रिजल्ट, शोधकर्ताओं का धरना रहेगा जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधार्थियों की कल वश्विवद्यिालय प्रशासन के साथ हुई वार्ता विफल रही। इस वार्ता में शोधार्थियों की कुछ मांगों को कमेटी बनाकर पूरा करने का वायदा किया गया जबकि ऐसे वायदे पहले भी की जा चुके थे और बहुत सारी कमेटीयां पहले भी बनाई जा चुकी थी लेकिन समस्या का अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। सबसे मुख्य मांगों वेब ऑफ़ साइंस के पेपर की अनिवार्यता को खत्म करना और चीफ वार्डन को बर्खास्त करने की मांग को सिरे से ख़ारिज कर दिया गया। ह्यूमैनिटीज के लिए वेब ऑफ़ साइंस के पेपर की अनिवार्यता को हटाने का सर्फि वायदा किया गया। शोधार्थियों का कहना है कि ऐसा ही वायदा एक महीने पहले भी उनसे किया गया था परंतु अभी तक इसे पूरा नहीं किया है। हमें ऐसे वायदे पर कोई वश्विास नहीं है और सर्फि ह्यूमैनिटीज के लिए नहीं बल्कि 2020-21 और 2021-22 बैच के सभी शोधार्थियों से वेब ऑफ़ साइंस साइंस में पेपरों की अनिवार्यता खत्म होनी चाहिए। शोधार्थियों ने वार्ता के लिए बुलाई गई कमेटी चीफ वार्डन अजय कुमार सिंह, कंट्रोलर आफ फाइनेंस अमित कुमार गर्ग, डीन अकेडमिक अफेयर्स रजनी शुक्ला, डीन छात्र कल्याण सुरेश वर्मा, डीन कालेज विजय शर्मा के सभी सदस्यों की नियुक्ति को ही अवैध बताया।

विपक्ष के पास कोई संघर्ष का पहलवान नहीं, मैं लड़ने को तैयार : जयहिंद

- जयहिंद सुप्रीमों नवीन जयहिंद ने की राज्यसभा चुनाव की उम्मीदवारी के लिये की पत्रकारवार्ता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

जयहिंद सेना सुप्रीमो नवीन जयहिंद ने शनिवार को राज्यसभा चुनाव की उम्मीदवारी को लेकर सोनीपत में प्रेस वार्ता की। पत्रकारवार्ता में नवीन जयहिंद ने बताया कि महम से नर्दिलीय विधायक बलराज कुंडू ने तो मंगलवार को अपने फेसबुक व एक्स पर पोस्ट डालक उनका समर्थन किया। जयहिंद ने बलराज कुंडू का धन्यवाद किया।

जयहिंद ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया की जनता की डिमांड पर हरियाणा में होने वाले राज्यसभा चुनाव में आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। जयहिंद ने कहा कि हरियाणा में विपक्ष को उम्मीदवार नहीं मिल रहा है। कांग्रेस, जेजेपी को और जेजेपी, कांग्रेस को राज्यसभा उम्मीदवार उतारने के लिए कह रहे हैं। बीजेपी के खिलाफ मैने साढ़े 9 साल लड़ाई लड़ी जिसका फायदा विपक्ष को हुआ है। जयहिंद ने लोकसभा चुनाव का भी ज़क्रि करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी पार्टीयों के उम्मीदवार मेरे पास वोट मांगने आए, अब मैं सभी के पास अपने लिए वोट की अपील करने जाऊंगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास संघर्ष का कोई पहलवान नहीं है, इसीलिये वे चुनाव लड़ने को तैयार हैं।

सोनीपत। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए नवीन जयहिंद साथ में अन्य।

अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के छात्र पौधारोपण करते हुए।

विभन्नि प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

गन्नौर। अपोलो इंटरनेशनल स्कूल बड़ी में जनसंख्या दिवस पर विभन्नि गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें सभी कक्षाओं के वद्यिार्थियों ने पूर्ण रूप से भाग लेकर आयोजन को सक्षम बनाया। कक्षा तीसरी कक्षा चौथी के छात्रों ने पौधारोपण,पांचवी से कक्षा छठी के छात्रों ने निबंध लेखन, कक्षा सातवीं से कक्षा आठवीं को नारा लेखन, कक्षा नौवीं से कक्षा दसवीं का पोस्टर बनाओं, कक्षा ग्यारहवीं से कक्षा बारहवीं को वाद-विवाद प्रतियोगिता.सभी छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए गतिविधियों में जागरूकता भी दिखाई। विभन्नि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी समझदारी से परिपक्व होते हुए गतिविधियों में भाग लेकर विकास की तरफ कदम बढ़ाया। बड़े ही तन्मता के साथ बच्चों ने गतिविधियों में भाग लेकर अध्यापकों के द्वारा बताए गए नर्दिेशों का पूरा पालन किया। स्कूल की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने प्रतिभागी छात्रों की प्रतिभा को देखकर सराहना की। शर्मा ने कहा कि स्कूल में छात्रों की प्रतिभा को तराशने के लिए प्रतियोगिता करवाई जाती है। उन्होंने छात्रों से बरसात के मौसम में पौधारोपण करने की अपील की। विशेष आयोजन के समय कोऑर्डिनेटर अनीता यादव और स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद थे।

प्रदर्शनी के दौरान मॉडल के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थी।

प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

सोनीपत। सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत के प्रांगण में ह्लवज्ञिान, मैथ्स और सामाजिक वज्ञिान प्रदर्शनीह्व का आयोजन किया गया। इसमें पांचवीं कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन वद्यिालय के चेयरमैन सुखप्रिय शास्त्री के करकमलों द्वारा किया गया। सभी छात्रों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट, वर्किंग मॉडल प्रस्तुतकर उनके विषय में अभिभावकों को सम्पूर्ण जानकारी दी। छात्रों द्वारा प्रोजेक्ट के तत्वों,अंगों के विषय में पूर्ण जानकारी अभिभावकों को प्रदान की गयी। इस दौरान आयोजित की गई अभिभावक शक्षिक बैठक में लगभग 673 अभिभावकों ने हस्सिा लेकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्रों द्वारा सभी प्रोजेक्टों, वर्किंग मॉडल आदि के विषय में अंग्रेजी में अभिभावकों को समझाया गया। अभिभावकों द्वारा सभी छात्रों की प्रतिभा एवं ज्ञान की प्रशंसा की गयी।

वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने देखी फिल्म

सोनीपत। समाज कल्याण शिक्षा समिति द्वारा चलाए जा रहे हैं वृद्धाश्रम के वृद्धों को एमजी मॉल सेकटर 14 में सिरफिरे फिल्म दिखाई गई। पायल गुप्ता ने सभी के टिकट बुक कराई। वह मॉल में जाने पर उनका चाय नाश्ते का भी बंदोबस्त किया गया। बुजुर्गों ने पूरी फल्मि देखी वह उनको भी बहुत अच्छा लगा। बुजुर्गों ने बताया की फल्मि देखकर उन्हें अपने बचपन की याद आ गई और उन्हें बहुत अच्छा लगा। इस अवसर पर प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि बुजुर्गों के मन बहलाने में मनोरंजन के लिए संस्था समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम करती रहती है। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर जगत सिंह, एसआई लाल सिंह भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण केंद्रों में अब तक 900 से ज्यादा महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का करें प्रयास: जैन

- ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले चुकी 100 से ज्यादा महिलाओं को मिल प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं साथी फाउंडेशन के चेयरमैन राजीव जैन ने कहा है कि महिलाओं को छोटे छोटे हुनर सीखकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि मुसीबत की घड़ी में सीखा हुआ काम परिवार का सहारा बन सकता है। इससे महिलाओं में आत्मवश्विास बढ़ेगा जो उन्हें सामाजिक राजनीतिक क्षेत्र में कदम रखने में सहायक होगा। राजीव जैन शनिवार को अपने पुरखास अड्डा स्थित कार्यालय में साथी फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे मुफ्त सिलाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र में प्रशक्षिण ले चुकी 100 से ज्यादा महिलाओं को प्रमाण पत्र एवं सिलाईए ब्यूटीपार्लर की किट वितरित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण केंद्रों में अब तक 900 से ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में इन केंद्रों के माध्यम से आत्मविश्वास पैदा किया जा रहा है ताकि वह किसी भी क्षेत्र में पीछे न रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला 8 से 10 घंटे की ड्यूटी वाली नौकरी नहीं कर सकती। इसलिए उनके लिए पार्ट टाइम कार्य शुरु करने की भावना को अंजाम दिया जा रहा है उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि अपना निजी व्यवसाय शुरू करने वाली महिलाओं को बिना ब्याज के ऋण दिलवाने की व्यवस्था भी की जाती है। कार्यक्रम में सुमित्रा रितु, निशा, रूबी, दीपिका, काजल, शीतल, सोनम, सोनी, पुष्प, सुदेश एवं अन्य महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। इस अवसर पर सुरेश कथूरिया, अमित जैन, जोगेंद्र सेठा, पूर्व पार्षद रमेश अरोड़ा, संजय मिश्रा उपस्थित रहे।

सोनीपत। महिलाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए भाजपा नेता राजीव जैन।

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

कारगिल विजय दिवस पर निकाली जाएगी रैली

सोनीपत। पूर्व सैनिक वेलफेयर सोसाइटी सोनीपत की बैठक समाज सेवा समिति कबीरपुर में सत्यपाल काजला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सोसाइटी के प्रवक्ता हर्षवरूप भारद्वाज ने बताया कि कारगिल युद्ध को 26 जुलाई को 25 साल पूरे हो रहे है। सोसाइटी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि शहीद सैनिकों के सम्मान में 26 जुलाई को एक रैली का आयोजन किया जाएगा। जोकि महाराजा अग्रसेन चौक से शुरू होकर लघु सचिवालय स्थित शहीद स्मारक पर संपन्न होगी। इसमें जिले के तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिक एवं शहीद सैनिकों के आश्रित शहीद सैनिकों को पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी जाएगी। बैठक में धर्मवीर, डीडी शर्मा, जोगिंदर, ओमपाल, हेमराज, वीरेंद्र सिंह एवं अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

GATEWAY EDUCATION
Delhi-NCR, Sonipat
ADMISSION OPEN 2024
B.TECH CSE | B.TECH CSE (AI & ML)
B.PHARMACY | B.ARCH
BBA | BCA | MBA | MCA
K-12 INTERNATIONAL SCHOOL
Apply Now: www.gateway.edu.in
Collaboration with IBM
18 YEARS OF EXCELLENCE
SCHOLARSHIP* UPTO 100%
Gateway Campus, Sector-11, Sonipat (Haryana)
9650066221 | 8800553350
FREE BUS FACILITY FROM - SONIPAT CITY

खबर संक्षेप

मारपीट का आरोपी एक दिन के पुलिस रिमांड पर

गन्नौर। बड़ी थानां उद्योगिक पुलिस ने मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी रितेश सरस्वती विहार सोनीपत का रहने वाला है। पुलिस में आरोपी को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है। बड़ी थानां प्रभारी युद्धवीर ने बताया कि 2 मई को राजपुर निवासी प्रवीण ने शिकायत दी थी कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी थी।

हादसे में बाइक सवार की मौत, बेटा गंभीर

खरखौदा। खुर्मपुर मोड़ के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उनके बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार अपने बेटे के साथ दिल्ली के घेवरा से वापस रोहतक जिले के गांव आसन लौट रहे थे। इसी दौरान वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लूटेरों ने वाहन चालक से छीनी सोने की चेन

खरखौदा। झरोठ गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप के पास दो युवकों ने एक वाहन चालक से चार तोले की सोने की चेन छीन ली और नुकीली वस्तु से प्रहार कर घायल करके फरार हो गए। झज्जर निवासी राजेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि वह झज्जर से सोनीपत जा रहा था। झरोठ गांव के पास स्थित एक लघु शंका करने के लिए कार रोक दी। बाइक पर दो युवक खरखौदा की तरफ से आए और उससे चाबी मांगने लगे। जब उसने चाबी नहीं दी, तो युवकों ने नुकीले हथियार से उसे पर हमला कर दिया।

निर्माणधीन मकान से नकदी व आभूषण चोरी

गोहाना। शहर में गौतम नगर के संजय के निर्माणधीन मकान से नकदी व आभूषण चोरी कर लिए गए। उसकी शिकायत पर शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। उसने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर को उसके मकान से बैग चोरी किया गया। बैग में 50 हजार रुपये, सोने के कानों के बाले, लाकेट व चांदी की पाजेब थी। वह मकान पर बैग रखकर राशन डिपो पर राशन लेने गया था।

प्रबंधन समिति चुनाव में दो नामांकन पत्र रद

खरखौदा। कन्या महावद्यिालय की प्रबंधन समिति शिक्षा एजुकेशन सोसाइटी, खरखौदा के त्रिवार्षिक चुनाव के तहत शनिवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई। जिसमें में रिटर्निंग अधिकारी व बार एसोसिएशन, खरखौदा प्रधान कमल शर्मा ने दो नामांकन पत्रों में कमी पाई गई,जिसके चलते उन्हें रद किया गया है। नामांकन रद करने के पीछे एक ही व्यक्ति द्वारा दो प्रत्याशियों के नामांकन में गवाह बनना बताया गया है।

स्व. श्रीकृष्ण हुड्डा की याद में नेत्र जांच कैंप 15 को

गोहाना। बरोदा हलके के कटवाल गांव में 15 जुलाई को इस हलके के लगातार तीन बार विधायक रहे स्व. श्रीकृष्ण हुड्डा की स्मृति में फ्री आई चेकअप कैंप लगाया जाएगा। यह आई चेकअप कैंप गांव की भूरला चौपाल में सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक चलेगा। इस कैंप का संयुक्त संयोजन स्व. श्रीकृष्ण हुड्डा के बड़े बेटे जितेंद्र उर्फ जीता हुड्डा और छोटे बेटे डॉ. सुरजीत उर्फ मोनू हुड्डा करेंगे। कैंप में गुरुग्राम स्थित इंदिरा गांधी नेत्र चिकित्सालय की टीम पहुंचेगी।

जिले के पांच चिकित्सक पदोन्नत

नागरिक अस्पताल में नहीं मिलेगी अब चर्म रोग विशेषज्ञ की सुविधा

पदोन्नत होकर एसएमओ बने डॉ. राजेश सिंघल, जुआं स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दी नियुक्ति

चिकित्सक काफी समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में पांच चिकित्सकों को पदोन्नत किया गया है। जिसके बाद नागरिक अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाएगी। क्योंकि जिन चिकित्सकों को पदोन्नत किया गया है, उसमें चर्म रोग विशेषज्ञ भी शामिल हैं। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश सिंघल को वरिष्ठ चिकित्सक अधिकारी के तौर पर पदोन्नत कर गांव जुआं स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में नियुक्त किया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) खेवड़ा के इंचार्ज डॉ. प्यारेलाल मलिक को पानीपत जिले के गांव अहर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एसएमओ नियुक्त किया है। चिकित्सक काफी समय से पदोन्नति सूची जारी होने का इंतजार कर रहे थे। बता दें कि जिला नागरिक अस्पताल में रोजाना दाद, खाज व खुजली मरीज पहुंचते हैं।

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में जमा भीड़।

पदोन्नति सूची जारी

स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सकों की पदोन्नति सूची जारी की है। जिले के पांच चिकित्सिकों को स्वास्थ्य विभाग ने पदोन्नत कर एसएमओ लगाया गया है। जिसमें से दो चिकित्सिकों को जिले से बाहर नियुक्त किया है। *डॉ. जयकिशोर, सिविल सर्जन, सोनीपत*

अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश सिंघल की ओपीडी 200 से ज्यादा होती है। सरकार ने चर्म रोग विशेषज्ञ को बतौर एसएमओ पदोन्नत कर दिया है। उनकी नियुक्त अब सीएचसी जुआं में की गई है। उनकी नियुक्ति किए जाने के चलते अब वह जिला नागरिक अस्पताल में सेवाएं नहीं दे पाएंगे। ऐसे में अस्पताल में उपचार कराने वाले चर्म रोगियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उनके स्थान पर अस्पताल में दूसरे चर्म रोग विशेषज्ञ को नहीं लगाया गया है। टोक्यो पैरालंपिक में सुमित आंतिल ने भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

सितंबर 2021 में सुमित आंतिल के स्वागत समारोह के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने गांव में पीएचसी खोलने की घोषणा की थी। मुख्यालय में मंजूरी मिलने के बाद मार्च, 2022 में गांव के सरकारी स्कूल के भवन में पीएचसी को चालू कर दिया था। उसके बाद जून 2022 में डॉ. प्यारेलाल मलिक को पीएचसी का इंचार्ज लगाया गया था। अब दो साल के सेवाएं देने के बाद पीएचसी इंचार्ज डॉ. प्यारेलाल मलिक को पदोन्नत किया गया है। अब उन्हें पानीपत जिले के गांव अहर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एसएमओ नियुक्त किया है।

कार्यकारी एसएमओ से पदोन्नत हो एसएमओ बनी डॉ. आशा सहरावत

एसएमओ डॉ. सत्यपाल के स्थानांतरण के बाद मार्च में खाली हुए खरखौदा के उपमंडल नागरिक अस्पताल के एसएमओ पद को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आशा सहरावत ने संभाला था। उन्होंने कार्यकारी एसएमओ का पदभार 14 मार्च को ग्रहण किया था। अब सरकार ने उन्हें पदोन्नत करके एसएमओ की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा पीएचसी भटाना जाफराबाद की डॉ. किरण सिंधु को पदोन्नत करके सीएचसी मुंडलाना में एसएमओ नियुक्त किया है। उपमंडल नागरिक अस्पताल गोहाना के डॉ. संजीव शर्मा को पदोन्नत करते जींद जिले के जुलाना स्थित सीएचसी में बतौर एसएमओ नियुक्त किया है।

मिल्ट्री ट्रेनिंग से रूबरू करवाया

- प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को शस्त्र प्रशिक्षण मैप रीडिंग की ट्रेनिंग दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। शिविर के दौरान जानकारी देते अधिकारी।

एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 122 का आयोजन एसआरएम यूनिवर्सिटी में 12 हरियाणा एनसीसी बटालियन के तत्वधान में आयोजित किया गया। कैंप कमांडेंट कर्नल अनूप रावत ने बताया कि यह शिविर 11 जुलाई से 20 जुलाई तक चलेगा। जिसमें स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय के 531 का कैडेट्स भाग ले रहे हैं। इस कैंप के माध्यम से कैडेट्स को अनुशासन, शस्त्र प्रशिक्षण, मैप, रीडिंग ड्रिल, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट एवं खेलों के साथ-साथ मिल्ट्री ट्रेनिंग से रूबरू करवाया गया। कैंप में सूबेदार मेजर सुरेश कुमार, एडजुडेंट विशाल दहिया, फर्स्ट ऑफिसर योगेंद्र पाल, सतीश कुमार, लेफ्टिनेंट साक्षी अहलावत, थर्ड ऑफिसर विनोद कुमार महला, देवाराम व सीटीओ आकाश, तरुण व गुरजीत आदि कैंप प्रशिक्षण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

गोहाना। पत्रकारों से बातचीत करते जगमेंद्र, साथ में नरेंद्र कुमार।

भाजपा हलके के ही कार्यकर्ता को टिकट दे : जगमेंद्र

गोहाना। रेलवे बोर्ड व एफसीआई हरियाणा के पूर्व सदस्य एवं पूर्व जिला पार्षद जगमेंद्र जौली ने भाजपा नेतृत्व से बाहरी की बजाय हलके के ही कार्यकर्ता को विधानसभा चुनाव में टिकट देने की मांग की। शनिवार को उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बाहरी उम्मीदवार को दूसरे क्षेत्र का पता नहीं होता, जबकि स्थानीय कार्यकर्ताओं को वहां के क्षेत्र के साथ स्थानीय मुद्दों का भी पता होता है, जिससे वह विकास कार्य भी बेहतर करा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बीते 10 साल में भाजपा ने गोहाना क्षेत्र में विपक्ष का विधायक होने के बावजूद बहुत से विकास कार्य कराए हैं। ऐसे में आगामी चुनाव में पार्टी को इसका फायदा मिलेगा। इस दौरान उनके साथ नरेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

पुलिस ने पैरामिल्ट्री जवानों के साथ निकाला फ्लैग मार्च

गोहाना। पुलिस ने पैरामिल्ट्री के जवानों के साथ शनिवार को शहर में फ्लैग मार्च निकालकर लोगों से कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जो व्यक्ति शांति व्यवस्था को भंग करने की कोशिश करेगा उससे सख्ती से निपटा जाएगा और कानूनी कार्रवाई होगी। मार्च का नेतृत्व डीसीपी रविंद्र सिंह तोमर ने किया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति और कानून व्यवस्था बनाने में सहयोग की अपील की। लोगों से कहा गया कि वे कानून व्यवस्था का पालन करें। कानून का पालन नहीं करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च सोनीपत रोड, आंबेडकर चौक, समता चौक, छोटूराम चौक, सिविल रोड, महम रोड, रोहतक रोड, बरोदा रोड व जींद रोड पर निकाला गया। फ्लैग मार्च में शहर थाना के प्रभारी मोहन सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

भोले के भक्त गांव राजलू गढ़ी में हरद्विार में कावड़ लाने की तैयारी करते हुए।

सावन में इस बार पांच सोमवार, भक्त तैयारियों में लगे

गन्नौर। सावन में इस बार दुर्लभ संयोग बन रहे है। सावन माह की शुरूआत 22 जुलाई सोमवार से होगी और इसका समापन भी सोमवार को ही होगा। जिससे माना जा रहा है कि सावन इस बार शिवभक्तों के लिए खास रहेगा। कई वर्षों बाद ऐसा हो रहा है कि सावन माह में इस बार पांच सोमवार होंगे। सावन के महीने में ग्रह नक्षत्र एवं योगों का कई तरह का शुभ संयोग भी बनेंगे। पिछले वर्ष अधिकमास होने की वजह से सावन तकरीबन दो माह का रहा। तब सावन के आठ सोमवार आए लेकिन इस बार कुल पांच सोमवार रहेंगे। सावन का समापन रक्षाबंधन के दिन 19 अगस्त को होगा। सावन का महीना 29 दिनों का होगा। शिवभक्तों के लिए सावन माह विशेष महत्व रखता है। इस बार सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 21 जुलाई को दोपहर 3 बजकर 46 बजे शुरू होगी लेकिन उदयातिथि को देखते हुए 22 जुलाई से सावन की शुरूआत मानी जाएगी। यह पूरा मास भगवान शिव की पूजा को समर्पित है। गन्नौर स्थित प्राचीन शिव मन्दिर को पूरी तरह से सजाया है। मन्दिर में हर बार शिव भक्त हरद्विारा से विशाल कावड़ लाकर गंगा जल चढ़ाते है। भक्तों की आस्था है कि सावन में भोले बाबा से मन्नत मांगने पर बाबा मन्नत जरूर पूरी करते है।

आईटीआई में दाखिलों के लिए लगी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आज से शुरू होगी तीसरे चरण की दाखिला प्रक्रिया

आईटीआई में दो चरणों की दाखिला प्रक्रिया संपन्न होने के बाद 14 जुलाई से तीसरे चरण की दाखिला प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए रविवार को पोर्टल पर रक्ति सीटों की सूची दर्शायी जाएगी। 14 से 16 जुलाई तक मनपसंद ट्रेड का चयन करने के लिए पोर्टल खोला जाएगा। 18 जुलाई को तीसरी वरीयता सूची जारी की जाएगी। जिसमें नाम आने वाले विद्यार्थी 23 जुलाई तक फीस जमा करवाकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं।

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान यानि की आईटीआई में दाखिला प्रक्रिया का दूसरा चरण चल रहा है। जिसके तहत सोनीपत आईटीआई में जारी की गई दूसरी वरियता सूची में शामिल 186 विद्यार्थियों में से 115 विद्यार्थियों ने फीस जमा करवाकर अपना दाखिला सुनिश्चित करवाया है। शनिवार को फीस जमा करवाने का अंतिम दिन रहा, जिस कारण फीस जमा करवाने वाले विद्यार्थियों की भीड़ रही। सूची में शामिल 71 विद्यार्थियों ने मनपसंद ट्रेड नहीं मिलने से दाखिला लेने में रूची नहीं दिखाई। सोनीपत आईटीआई में दो चरणों की संपन्न हुई दाखिला प्रक्रिया में 33 ट्रेड्स की 964 सीटों के लिए 343 विद्यार्थियों ने अपना दाखिला सुनिश्चित करवाया है। बता दें कि जिले की 13 आईटीआई में 3956 सीटों के लिए 7 से 25 जून तक आवेदन प्रक्रिया चली थी। 28 जून को पहली वरीयता सूची जारी की गई थी। जिसमें सोनीपत आईटीआई में निर्धारित सीटों के लिए 467 विद्यार्थियों का नाम शामिल किया गया था। सूची में शामिल विद्यार्थियों को अपना दाखिला सुनिश्चित करवाने के लिए 3 जुलाई तक फीस जमा करवाने का समय दिया गया था। अंतिम तिथि तक महज 228 विद्यार्थियों ने ही अपना दाखिला सुनिश्चित करवाया था। जबकि दूसरे चरण की दाखिला प्रक्रिया में शामिल 186 विद्यार्थियों में से 115 ने अपना दाखिला सुनिश्चित करवाया है। दोनों चरणों में शामिल 653 विद्यार्थियों में से 310 विद्यार्थियों ने मनपसंद ट्रेड नहीं मिलने से दाखिला नहीं लिया।

गोहाना। कार्यकर्ताओं से रूबरू होते टीपी वत्स व भूपेंद्र मलिक। फोटो ; हरिभूमि

नायब सैनी के कामों से समाज का हर वर्ग खुशः दास

गोहाना। शनिवार को भाजपा नेता भूपेंद्र मलिक के निवास पर भाजपा एनालिसिस टीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष टी पी दास पहुंचे । अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित हलका बरोदा के कार्यकर्ताओं व नागरिकों को कहा कि हम सब मिलकर पार्टी का प्रचार करें ।पार्टी में नए सदस्यों को जोड़ने का काम करें। भूपेंद्र मलिक ने कहा कि पार्टी किसी को भी टिकट दे हम सब मिलकर अब की बार बरोदा में हर हाल में कमल खिलाकर नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा नेअपने शासन काल में बरोदा विधानसभा में विकास के नाम पर एक भी ईंट नहीं लगवाई। मुख्यमंत्री नायब सैनी के कामों से समाज का प्रत्येक वर्ग खुश है ।तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी और नायब सैनी प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे ।इस मौके पर कथुरा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, भैंसवाल मंडल अध्यक्ष सूरत सिंह, मुडलाना अध्यक्ष आजाद जागसी, बुटाना मंडल अध्यक्ष आशीष भनवाला, डा राममेहर राठी, बीएलए1 सुधीर मलिक, रवद्रिं मोर, बिजेंद्र घनघस, राजेश मलिक, वक्किी राना, संदीप, धर्मवीर, प्रमेंद्र, जगबीर, बलजीत, शीतल व बिटू शर्मा उपस्थित रहे।

आहुलाना में राज्यस्तरीय नोका यान प्रतियोगिता का आयोजन

किसी एक खेल में रूचि अवश्य बनाएं: देवेंद्र

- ड्रेगन बोट स्पर्धा में झज्जर अव्वल सोनीपत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

समाजसेवी देवेन्द्र कादियान विजेताओं को सम्मानित करते हुए ।

हरियाणा कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन व ग्राम पंचायत आहुलाना की ओर से शनिवार को आहुलाना गांव में राज्यस्तरीय नोका यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मन्नत ग्रुप आफ होटल्स के चेयरमैन एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान बतौर मुख्यातिथि के रूप में पहुँचे। कमेटी के सदस्यों ने मुख्यातिथि कादियान को स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया। सरपंच प्रतिनिधि अजीत ने बताया कि ये आठवी प्रतियोगिता है। जिसमे प्रदेश की अलग-अलग जिलों को 13 टीमो ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता 2000 मीटर, 500 मीटर व 200 मीटर में हुई। जिसमें सोनीपत, पानीपत, करनाल, भिवानी, जींद, अम्बाला, पंचकूला, कैथल, हिसार, झज्जर, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़ व फतेहाबाद की टीम ने भाग लिया। वही नाव 10 सीटर व 20 सीटर का इस्तेमाल किया। 2000 मीटर प्रतियोगिता में झज्जर की टीम ने पहला स्थान, दूसरे स्थान पर सोनीपत व तीसरे स्थान पर करनाल की टीम रही। जबकि 500 मीटर की प्रतियोगिता में सोनीपत पहले स्थान, दूसरे पर झज्जर व तीसरे स्थान पर करनाल की टीम रही। मुख्यातिथि देवेंद्र कादियान ने कहा कि आज का समय खेलों के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल हमारा स्वास्थ्य रहता है बल्कि, खेलों में अच्छा स्थान प्राप्त करने पर भविष्य भी उज्जवल होता है। उन्होंने ड्रेगन बोट स्पर्धा में इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के आने के लिए उन्हें बधाई दी। युवाओं से आह्वान किया कि भविष्य में किसी खेल में रूचि अवश्य बनाएं, प्रतिदिन मैदान में कुछ समय जरूर लगाए। , सरपंच पति अजित ने कहा कि गांव में 3 एकड़ में तालाब है, जिसमें ड्रेगन स्पर्धा हुई है। तालाब को खेल विभाग को देने की तैयारी है। आयोजकों ने अतिथियों को स्मृति चिंह भेंट कर सम्मानित किया। जनरल सेक्रेटरी एसोसिएशन कुलदीप सोलंकी आदि मौजूद थे।

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS
www.southpoint.net.in
DIRECT ADMISSION
B.A., B.Sc., B.Com
B.Tech, B.A. LL.B
BBA, BCA, B.Pharm
D.Pharm, DMLT/LEET
Polytechnic/LEET
For More Information
94168 15261, 90344 72910
DILBAG S. KHATRI
Chairman & Managing Trustee
Visit for Admission at South Point Technical Campus
Purkhas Road, Near Sugar Mill Flyover, Sonipat
www.southpoint.net.in
98120 20033, 98124 21919
LOCATION

खबर संक्षेप

टॉवर का सामान चोरी करने में आरोपित काबू

गोहाना। थाना सदर गोहाना की पुलिस बिजली लाइन के टावर का सामान चोरी करने की घटना में संलप्ति आरोपित गांव मुंडलाना के रोहताश को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। गांव मुंडलाना के हरिओम ने ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अडानी कंपनी में 33 केवी की बिजली लाइन का काम कर रहा है। उसका काफी सामान गांव में पहले से बने बिजलीघर के पास रखा हुआ था। 26 जून को वह साइट पर गया तो वहां से टावर का पांच टन लोहे का सामान चोरी था। उसने गांव के रोहताश, रोहित व तकदीर पर चोरी का आरोप लगाया था। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र ने पुलिस टीम के साथ आरोपित रोहताश को गिरफ्तार किया। पहले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

छिछड़ाना में फायर करने का आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस टीम ने गांव छिछड़ाना में ग्रामीण पर फायर कर जानलेवा हमला करने की घटना में संलप्ति आरोपित इसी गांव के साहिल को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय के आदेश पर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। 12 दिसंबर 2023 को गांव छिछड़ाना के राजू ने पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने घर की बालकनी मे खड़ा था। उसी समय साहिल अपने दो अन्य साथियों पर बाइक पर आया और उस पर सीधे दो-तीन फायर किए। वह बाल-बाल बच गया था और आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए थे। जांच अधिकारी उप निरीक्षक राजपाल ने पहले पुलिस टीम के साथ घटना में संलप्ति आरोपित हिसार में गांव अलीपुर के कुलदीप को गिरफ्तार किया था। अब आरोपित साहिल को प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर ठगी

गोहाना। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर ठग ने तीन बार में 99974 रुपये की ठगी कर ली है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।राहुल पालीवाल पुत्र कैलाश चंद पालीवाल गोहाना शहर में लक्ष्मी नगर में रहता है। उसने पुलिस को की लिखित शिकायत में कहा उसके पास एवी स्माल फाइनेंस बैंक का क्रेडिट कार्ड है। 10 जुलाई को उसके पास अज्ञात नंबर से कॉल आई और खुद को इस फाइनेंस बैंक का कर्मचारी बताया। इसके बाद क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए ओटीपी मांगा गया और क्रेडिट कार्ड की पेमेंट दूसरे क्रेडिट कार्ड कें एडजस्ट करने की बात कही। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने रोहतक बाईपास स्थित छिनौली रोड पर शुक्रवार देर रात मुठभेड़ में तीन बदमाशों को ढेर किया

बदमाशों ने गोहाना में करनी थी हत्या, मुठभेड़ होने पर पुलिस कर्मचारियों पर दागीं 19 गोलियां

बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण बची डीसीपी व एसीपी की जान, बदमाश कई मामलों में वांटेड थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत/खरखौदा

रोहतक बाईपास स्थित छिनौली रोड पर शुक्रवार देर रात जो मुठभेड़ हुई थी, उसमें बुलेटप्रूफ जैकेट ने दिल्ली पुलिस के डीसीपी और एसीपी की जान बचा ली। क्योंकि साहिल और हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शूटर को जब एसटीएफ सोनीपत व न्यू दिल्ली रेंज आरके पुरम क्राइम ब्रांच ने घेरा तो उन्होंने फायरिंग कर दी थी। जिसमें दल्लिी पुलिस के डीसीपी और एसीपी पर गोली चलाई तो बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के चलते उनकी जान बच गई। उसके बाद बदमाशों ने एसआई को जांघ में गोली मार दी थी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश ढेर हो गए थे। दिल्ली पुलिस का दावा है कि बदमाश उत्तर प्रदेश में छिपे थे और वहां से भाग कर वाया दिल्ली हरियाणा आने का इनपुट मिला था। वह गोहाना में किसी हत्या की वारदात को अंजाम देने आ रहे हैं।

आरके पुरम क्राइम ब्रांच दल्लिी के इंस्पेक्टर रामपाल ने खरखौदा थाना पुलिस को बताया कि उनकी टीम लंबे समय से हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग पर नजर बनाए थी। पुलिस गिरोह के कई सदस्यों को पकड़ चुकी है। उनकी टीम को शुक्रवार को सूचना मिली थी कि थाना राजौरी गार्डन क्षेत्र के बर्गर किंग अमन हत्याकांड के आरोपित आशीष उर्फ लालू, विकास उर्फ वक्किी उर्फ छोटा व उनका तीसरा साथी कार में उत्तर प्रदेश से दल्लिी होते हुए खरखौदा से गोहाना जाएंगे। वह वहां किसी की हत्या कर सकते हैं या फायरिंग कर सकते हैं। जिस पर डीसीपी क्राइम अमित गोयल व एसीपी क्राइम उमेश बड़थ्वाल को बताया था। उसके बाद टीम बनाकर भेजी गई थी। उनकी टीम बदमाशों के पीछे लगी थी। उन्होंने मामले से एसटीएफ सोनीपत निरीक्षक योगेंद्र को भी मामले से सूचित किया था। रात को करीब नौ बजे एसटीएफ सोनीपत के नाका पर गैंग के सदस्य पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया था। तब उनकी टीम भी पीछे लगी थी। जिस पर बदमाश खेत में घुस गए थे। उन्होंने सरेंडर करने को कहा तो बदमाश कार से उतरकर पुलिस पर फायर करने लगे थे। मौके पर पहुंचे डीसीपी अमित गोयल व एसीसी उमेश बड़वाल पर गोली चलाई तो उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी थी। वहीं एसआई अमित यादव को पैर में गोली लग गई थी। उसके बाद बचाव में चलाई गोली लगने से बदमाश घायल हो गए थे। उनकी पहचान हिसार के गांव खारिया निवासी आशीष उर्फ लालू, हिसार के गांव खरड़ निवासी सन्नी खरड़ और सोनीपत के गोहाना के गांव रिंढाना निवासी वक्किी के रूप में हुई है। अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने उनके खिलाफ हत्या की कोशिश समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

सोनीपत। पोस्टमार्टम हाउस में पड़ा एक बदमाश का शव व पुलिसकर्मी।

सोनीपत। हमले में घायल एसआई अमित यादव।

सोनीपत। एनकाउंटर के बाद बदमाशों से बरामद गोलियां।

जवाबी फायर में ढेर

पुलिस का कहना है कि जवाबी फायरिंग में डीसीपी अमित गोयल ने तीन, एसीपी उमेश बड़वाल, इंस्पेक्टर रामपाल ने चार, एसआई अमित ने तीन और एएसआई नरेंद्र ने चार फायर किए। वहीं बदमाशों ने भी कई राउंड फायर किए थे, जिसके जवाब में ही पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी।

लाखों रुपये का था इनाम

पुलिस एनकाउंटर में ढेर हुए आशीष उर्फ लालू की गिरफ्तारी पर हरियाणा पुलिस ने डेढ़ लाख और विकास व सन्नी की गिरफ्तारी एक-एक लाख का इनाम था। पुलिस को उनसे पांच पस्तिौल, 24 कारतूस व एक कार मिली है। मामले में आरोपित आशीष पर 20, वक्किी पर तीन और सन्नी पर छह मुकदमे दर्ज हैं। आरोपित केसी हिसार के खरड़ में केसी ठेकेदार की हत्या, मुरथल में शराब कारोबारी सुंदर सरगथल की हत्या, गांव छिछड़ाना में सरपंच हत्याकांड, दिल्ली राजौरी गार्डन बर्गर किंग अमन हत्याकांड, मातूराम हलवाई गोलीकांड गोहाना, महिंद्रा एजेंसी गोलीकांड हिसार सहित अन्य मामलों में वांछित थे।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट की निगरानी में हुआ तीनों का पोस्टमार्टम, वीडियोग्राफी भी करवाई गई

सोनीपत। पुलिस एनकाउंटर में ढेर हुए बदमाशों का पोस्टमार्टम शनिवार दोपहर बाद खानपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में किया गया। हालांकि तीनों के शवों को शुक्रवार देर रात नागरिक अस्पताल सोनीपत में पहुंचाया गया था, लेकिन दोपहर के समय तीनों के शवों को खानपुर मेडिकल कॉलेज लाया गया। बताया गया है कि आशीष को तीन, विक्की को दो और सन्नी को पांच गोली लगी है। वहीं पोस्टमार्टम के दौरान सन्नी के शव से एक गोली मिली है। अन्य के शरीर से गोली आरपार हो गई। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के साथ ही वीडियोग्राफी कराई है। आरके पुरम क्राइम ब्रांच दल्लिी व एसटीएफ सोनीपत की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में कुख्यात साहिल और हिमांशु भाऊ गैंग के तीन शार्प शूटर मारे गए थे। तीनों को देर रात नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया था। जहां से एक्सरे के लिए शवों को खानपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया गया। जहां देर शाम तक तीनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया।

खरखौदा के तहसीलदार मौजूद रहे

पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। इसके लिए खरखौदा तहसीलदार की ड्यूटी लगाई गई थी। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम की पूरी वीडियोग्राफी कराई गई है।

वाहन ने बाइक को टक्कर मारी, महिला की मौत

सोनीपत। बहालगढ़ के पास जीटी रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। वह दल्लिी से मुरथल के ढाबों पर खाना खाने आई थी। हादसा उस समय हुआ जब सर्विस रोड पर खड़ी बाइक पर बैठ लघुशंका के लिये गए युवक के आने का इंतजार कर रही थी तो पीछे से वाहन ने टक्कर मार दी। शिकायत पर बहालगढ़ थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। दल्लिी के उत्तम नगर के दीप एंक्लेव पार्ट-1 निवासी नेहा ने बताया कि वह शुक्रवार शाम अपनी सहेली आरती (27) और दोस्त चांद बाबू के साथ बाइक पर सवार होकर मुरथल के ढाबों पर खाना खाने आई थी। करीब 7.30 बजे वह जब बहालगढ़ के पास पहुंचे तो चांदबाबू सर्विस रोड पर बाइक रोक कर लघुशंका के लिए चले गए। जबकि वह और आरती बाइक पर बैठकर बातचीत करने लगी। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसके चलते वह नाले के पास स्लैब पर जाकर गिरी। दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सिकों ने आरती को मृत घोषित कर दिया।

एक साल पहले हुई थी आरती की शादी

परिजनों ने बताया कि आरती की शादी एक साल पहले महेंद्र के साथ हुई थी। आरती एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। उन्होंने शाम को पति को फोन कर बताया था कि उनका मुरथल के पराठा खाने का मन है। इसलिए वह दोस्तों के साथ मुरथल जा रही है। आरती की मौत सुनने परिजन स्तब्ध रह गए।

वंदे भारत ट्रेन में पर लगातार दो दिन पत्थरबाजी, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ राठधना व नरेला स्टेशन के बीच ट्रेन पर पथराव

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी करने का मामला सामने आया है। शुक्रवार को दोपहर के समय पत्थरबाजी की घटना हुई है। इससे पहले वीरवार को भी वंदे भारत पर पत्थरबाजी की गई। वारदात सोनीपत के राठधना व नरेला स्टेशन के बीच हुई। जिसके बाद आरपीएफ ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरपीएफ प्रभारी संगम व जीआरपी थाना प्रभारी महावीर सिंह के नेतृत्व में ऑपरेशन दोस्ती अभियान चलाकर शनिवार को राठधना स्टेशन पर पहुंचने वाले यात्रियों व आसपास क्षेत्र के लोगों जागरूक किया गया। इस दौरान एएसआई अगत सिंह, विकास, धर्मेंद्र, सुरेंद्र व सुमन यादव मौजूद रही।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि 12 जुलाई को दल्लिी से अंबाला अप लाइन पर राठधना-नरेला स्टेशन के बीच दोपहर करीब 3:20 बजे ट्रेन संख्या 22477 वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की गई। इसी प्रकार एक दिन पहले 11 जुलाई वीरवार को भी वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी करने का मामले सामने आया है। हालांकि घटना में किसी को चोट नहीं आई। जिसकी जांच के बाद आरपीएफ ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पत्थर फेंकने वालों का पता नहीं लग सका है। रेलवे पुलिस उनका पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आरोपियों की पहचान करने में जुटी आरपीएफ

ट्रेन पर पत्थर फेंकने वालों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए ऑपरेशन दोस्ती अभियान की शुरुआत कर दी गई है। शुक्रवार को राठधना-नरेला स्टेशन के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी हुई है। मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। शनिवार को राठधना स्टेशन व आसपास लगते क्षेत्रों में जाकर लोगों को जागरूक किया गया। ट्रेन पर पत्थरबाजी करने के मामले में दोषी को 5 साल तक की सजा व 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।
संगम, थाना प्रभारी, आरपीएफ, सोनीपत

थर्माकोल के डिब्बे में तीन माह की बच्ची का शव मिला

सोनीपत। पटेल नगर के पास शनिवार देर शाम खाली प्लॉट में रखे थर्माकोल के डिब्बे में तीन माह की बच्ची का शव मिला। शव मिलने के बाद लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने शव कब्जे में लिया। इसके बाद पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतबीर सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि राठधना रोड पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के पास खाली प्लॉट में थर्माकोल के डिब्बे में शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ पहुंचे तो वहां डिब्बे में जांच करती तो उसमें तीन माह की बच्ची का शव पड़ा हुआ था। शव को लेकर लोगों को जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई है। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से छात्रा की मौत

सोनीपत। अंबाला- दिल्ली रेलमार्ग पर शुगर मिल फ्लाईओवर के पास शनिवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक छात्रा की मौत हो गई। जिसकी पहचान कामी रोड स्थित हनुमान नगर निवासी 18 वर्षीय शीतल के रूप में हुई है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। जांच अधिकारी सरिता देवी ने बताया कि मृतका शीतल 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद शहर के एक निजी शिक्षा संस्थान में कोचिंग ले रही थी। शनिवार सुबह करीब 7:30 बजे घर से घूमने के लिए निकली थी। साउथ प्वाइंट स्कूल के पास रेलवे लाइन पार करते समय अंबाला-दिल्ली डाउन लाइन पर मालगाड़ी की चपेट में आ गई। हादसे में शीतल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार शीतल के चार भाई-बहन हैं, वह तीसरे नंबर पर थी। उनके पिता की दिमागी हालत ठीक नहीं है। माता दिहाड़ी मजदूरी करके बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। सबसे बड़ी बहन की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरे नंबर का बड़ा भाई राई स्थित एक कंपनी में प्राइवेट नौकरी करता है, छोटी बहन फिलहाल पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

सुरक्षा चाक चौबंद **मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी महराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे**

मुख्यमंत्री आज भैरा बांकीपुर से 12 से ज्यादा परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ मुख्यमंत्री मां के नाम एक पेड़ अभियान के तहत पौधरोपण कर देंगे पर्यावरण संरक्षण का संदेश

■ जनसंवाद में आमजन की समस्याएं भी सुनेंगे

मुख्यमंत्री नायब सिंह रविवार को जिला के लोगों को विभिन्न परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री जिला के भैरा बांकीपुर गांव में अलग-अलग विभागों की 12 से ज्यादा परियोजनाओं का उद्घाटन व शि ला ~ या स करेंगे। इस अवसर पर वह गांव में स्थापित की गई महराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण भी करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अतिरक्ति उपायुक्त अंकिता चौधरी ने शनिवार को कैंप कार्यालय में सभी विभागों के अधिकारी की बैठक ली व दिशा-नर्दिेश दिए। बैठक के दौरान अतिरक्ति उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने विभागों से संबंधित सभी कार्यों को समय से पूरा करें। उन्होंने स्टेज, पंडाल, बिजली व्यवस्था, हैलीपेड, वीआईपी रूट, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल व शौचालय सहित सभी विभागों के कार्यों के लिए निर्देश दिए। इसके साथ ही पार्किंग व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम अमित कुमार, डीआरओ हरिओम अत्री, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सोनीपत। अधिकारियों की बैठक लेतीं अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी।

यह रहेगा मुख्यमंत्री का कार्यक्रम

मुख्यमंत्री नायब सिंह रविवार को सुबह 11 बजे राई हलके के भैरा बांकीपुर पहुंचेंगे। यहां सबसे पहले वह महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके पश्चात गांव के राजकीय प्राइमरी स्कूल में जनसंवाद करेंगे और ग्रामीणों को संबोधित भी करेंगे। इस अवसर पर वह 12 से ज्यादा अलग-अलग परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। इनमें विभन्नि गांवों को जोडने वाली सड़कें, नगरपालिका कुण्डली में विभन्नि गलियों व ड्रेन के नर्मिाण कार्य का शुभारंभ, 220 केवीए के जीआईएस बिजली सब-स्टेशन राई का शुभारंभ, नांदनौर व कुमासपुर गांव में सीएचसी का शुभारंभ, गांव मुरथल में सब यार्ड का शुभारंभ सहित कई अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया

राई। भैरा बांकीपुर गांव में होने वाले मुख्यमंत्री नायब सिंह के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शनिवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व राई से विधायक मोहनलाल बड़ौली के भाई माईराम कौशिक ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। उन्होंने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब मुख्यमंत्री चौहान बैल्ट के गांवों में इतनी बड़ी सौगात देने के लिए पहुंच रहे हैं। भैरा बांकीपुर गांव में स्थापित की गई महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा क्षेत्र के लोगों में देशभक्ति का जज्बा पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रतिमा को गांवों के लोगों ने स्वयं अपने खर्च से तैयार करवाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस दौरान जाखौली में कॉलेज व एक सड़क का नाम पृथ्वीराज चौहान के नाम पर भी करेंगे। इसके साथ ही अटेरना गांव में पृथ्वीराज चौहान के नाम से एक भवन का निर्माण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के लोगों में जबरदस्त उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल के पास स्थित शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन भी किया गया है। इस अवसर पर उनके साथ जिला महामंत्री नवीन मंगला, कंवल सिंह चौहान, गांव के सरपंच जयराम शर्मा, एसीपी राहुल देव सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

FIMS HOSPITAL
'Nurturing Life'
NABH
Department of Nephrology & Urology

किडनी सम्बंधित सभी बिमारियों का इलाज व जाँच जैसे :–
- Acute and Chronic Kidney Failure.
- मधुमेह (Diabetes) व उच्च रक्तचाप (Hypertension) सम्बंधित किडनी रोग।
- AV Fistula & Permanent Catheter Insertion.
- न्यूनतम चीरे द्वारा किडनी बायोप्सी (Percutaneous Kidney Biopsy).
- Jugular, Femoral, & Peritoneal Dialysis Catheter Insertion.
- Modern Dialysis Unit with 24X7 State-of-the-Art ICU Backup.

यूरोलॉजी सम्बंधित सभी बिमारियों का इलाज व सर्जरी जैसे :–
- पेशाब में जलन, रूकावट, रक्त आना व पेशाब पर नियन्त्रण खो देने का इलाज।
- प्रोस्टेट (गदूद) की बिमारियों का उपचार व सर्जरी (TURP & TURBT).
- सभी प्रकार की पथरीयों का ईलाज व सर्जरी (PCNL, URS, Cystolithotripsy, Percutaneous Cystolithotripsy etc.).
- All Laparoscopic Surgeries (दूरबीन द्वारा आपरेशन)।
- महिलाओं एवं बच्चों के गुर्दे व पेशाब सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज व सर्जरी (Gynecological and Pediatric Urology).

Dr. Manish Aggarwal
MBBS, DNB, MCh (Urology)
OPD :- Mon to Sat 10AM - 2PM

Dr. Payal Jain
MBBS, MD, DNB (Nephrology)
OPD :- Mon to Sat 10AM -1PM

Emergency:- 24 hours available

फिम्स अस्पताल
बहालगढ़–सोनीपत रोड, सोनीपत, हरियाणा–131001
www.fimssonipat.com | 0130-2205000 | Follow us:
"On panel of CGHS, Haryana Govt., ESI, ECHS, Delhi Gov, Railway, NDMC, DJB, FCI, MCD, AAI, DTL, DTC, TPDDL, Raksha, Star, and all Major Insurance Companies, TPAs, & PSUs."

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जुलाई 2024

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

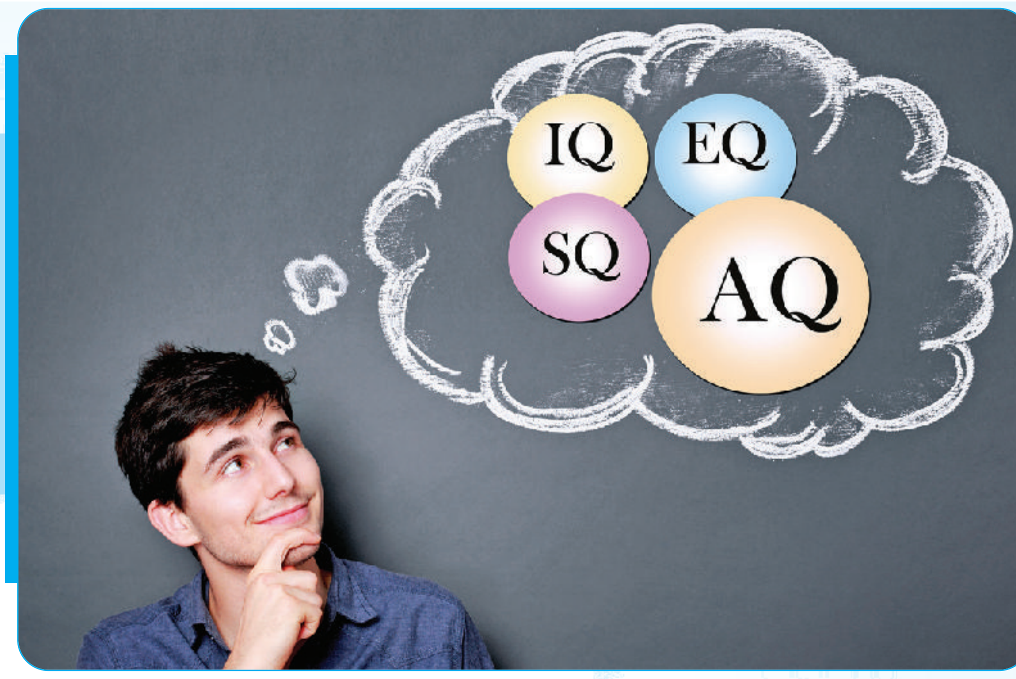

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते हैं, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाइयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

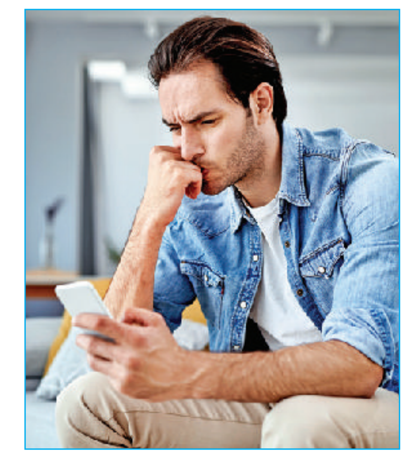

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशान: आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंस: क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून से: आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान: 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

नहीं होता जहां कुछ भी खयाले-खाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

करुणा का बीज

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टु' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

मनी मैटर्स
शैलेंद्र सिंह

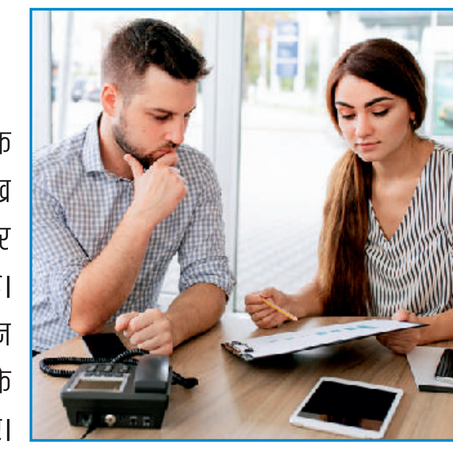

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदे: बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोर: भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोर: अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पॉंप डोर

मेल जोन / विवेक कुमार

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकट: पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफ: यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

क्लासिक पोंप डोर: यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कट: पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

आर्मी कट: आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

बॉलीवुड फिल्में
डी.जे.नंदन

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

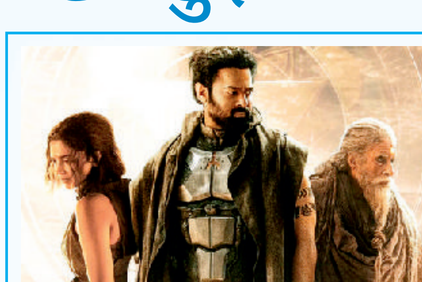

कल्कि 2998 एडी

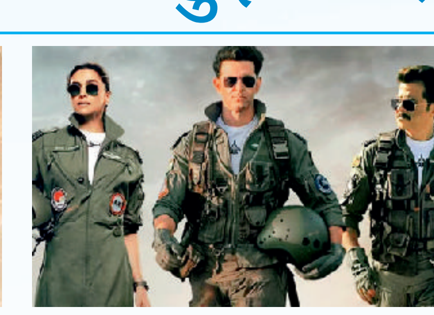

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरी: 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरी: साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्च: अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

अप्रैल: अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

मैदान

बड़े मियां-छोटे मियां

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मई: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावी: ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी' भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जून: जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *